an>

Title: Need to formulate policy to address the problems of weavers in the country.

श्री ताम्रध्वज साहू (दुर्ग) : महोदया, मेरा शून्यकाल का विषय इस प्रकार है। मैं एक अत्यंत महत्व का विषय आपके माध्यम से सरकार के समक्ष रख रहा हूं। इससे देश भर के करोड़ों बुनकर सीधे-सीधे लाभान्वित होंगे। वर्तमान में ग्रामीण बुनकरों के पास अपने व्यवसाय को लाभदायी बनाये रखने के लिए कई तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे पहले जमीन की उपलब्धता नहीं होती, इसके लिए पंचायतों, राजस्व विभाग का अड़ंगा सामने आता है। अगर जमीन मिल जाये या कुछ पैसे जोड़कर खरीद लें तो वर्क शेड बनाने के लिए राशि नहीं होती है, मशीन खरीदने के लिए राशि नहीं होती है। इसके लिए कोई केन्द्रीय योजना नहीं है। जिस तरह खेती में खाद, बीज से लेकर समर्थन मूल्य पर खरीदने के लिए सरकार की तरफ से सहायता उपलब्ध होती है, उसी तरह बुनकरों के लिए राज्य, केन्द्र की सहायता योजनायें होनी चाहिए। साथ ही उनके द्वारा उत्पादित कपड़ों की बेहतर मार्केटिंग राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर करने के लिए भी सरकार का सहयोग अपेक्षित है।

मैं आशा करता हूं कि भारत सरकार इस पर अवश्य ध्यान देगी। अध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए धन्यवाद।